प्र०(ख) जीवन में विजय कौन प्राप्त करता है?

उ० जीवन में विजय वही प्राप्त करता है जो कार्य को बीच में आई हुई बाधाओं से न घबराकर निरंतर प्रयास करता रहता है।

प्र०(ग) किसकी मेहनत बेकार नहीं होती?

उ० जो चढ़कर गिरना और गिरकर फिर चढ़ना जानता है, उसकी मेहनत बेकार नहीं होती।

प्र०(घ) इस कविता के रचयिता कौन हैं?

उ० इस कविता के रचयिता श्री हरिवंशराय 'बच्चन' हैं।

लिखित-

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

प्र०(क) सफलता के लिए मन का विश्वास क्यों नितांत आवश्यक है?

उ० सफलता के लिए मन का विश्वास नितांत आवश्यक है क्योंकि मन में विश्वास होने से ही काम करने के लिए शरीर में स्फूर्ति आती है।

प्र०(ख) कवि ने चींटी का उदाहरण किस संदर्भ में दिया है?

उ० कवि ने चींटी का उदाहरण इस संदर्भ में दिया है कि चींटी जब दाना लेकर दीवार पर चढ़ती है तो अनेक बार गिर जाती है किंतु निरंतर प्रयास करते हुए चढ़ने में सफल हो जाती है।

प्र०(ग) असफलता को चुनौती के रूप में लेने से क्या परिणाम होते हैं?

उ० असफलता को चुनौती के रूप में लेने से काम में जो कमी रह जाती है, उसका सुधार करते हुए व्यक्ति तब तक चैन से नहीं बैठता है जब तक सफलता नहीं मिल जाती।

प्र०(घ) सफलता प्राप्त करने के लिए कौन-कौन से प्रयत्न की आवश्यकता होती है?

उ० सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि कार्य में जो कमी रह गई है, उसे देखें, उसका सुधार करें और जब तक सफलता न मिल जाए तब तक चैन से न बैठें।

प्र०(ङ) संसार में किसकी जय-जयकार होती है?

उ० संसार में जय-जयकार उसी की होती है जो कुछ काम पूरा करके दिखाता है।

2. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ-

उ० (क) कोशिश करने वालों की <u>हार</u> [✓] नहीं होती।

(ख) मन का <u>विश्वास</u> [✓] रगों में साहस भरता है।

(ग) असफलता की चुनौती को <u>स्वीकार</u> [✓] करो।

(घ) सिंधु में डुबकियाँ <u>गोताखोर</u> [✓] लगाता है।

Scanned with CamScanner

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

उ० (क) लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती।

(ख) नन्हीं चींटी दीवारों पर सौ बार चढ़ती है।

(ग) चींटी की मेहनत बेकार नहीं होती।

(घ) मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में।

(ङ) बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में।

(च) जब तक न सफल हो, नींद-चैन को त्यागो तुम।

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

उ० शब्द	वाक्य
कोशिश	कोशिश करने पर सफलता अवश्य मिलती है।
विश्वास	काम करने में मन का विश्वास बहुत आवश्यक है।
गोताखोर	गोताखोर समुद्र के गहरे पानी से मोती खोज लाते हैं।
असफलता	असफलता से कभी घबराना नहीं चाहिए।

आओ भाषा सीखें-

1. दिए गए शब्दों के बहुवचन बनाओ-

उ० शब्द	बहुवचन	शब्द	बहुवचन
लहर	लहरें, लहरों	चींटी	चींटियाँ
दीवार	दीवारें, दीवारों	डुबकी	डुबकियाँ
नौका	नौकाएँ	चुनौती	चुनौतियाँ
असफलता	असफलताएँ	मुट्ठी	मुट्ठियाँ

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अनेकार्थी लिखो-

उ० शब्द	अनेकार्थी	अनेकार्थी
मत	मना करना	वोट
हार	माला	पराजय
पानी	जल	चमक
कर	हाथ	टैक्स

Scanned with CamScanner

3. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखो-

उ० समुद्र/नदी में तैरने वाला — तैराक
नाव चलाने वाला — नाविक
काम से जी चुराने वाला — कामचोर
विश्वास करने योग्य — विश्वसनीय

करो और सीखो-

1. यह कविता व्यक्ति को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है।

उ० सभी विद्यार्थी इस कविता के उद्देश्य का अनुसरण करेंगे।

2. मैथिलीशरण गुप्त की कविता '(नर हो न निराश .....)' अपने अध्यापक की मदद से लिखो।

उ० कुछ काम करो, कुछ काम करो,
जग में रह कर, कुछ नाम करो।
यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो,
समझो जिससे यह व्यर्थ न हो।
कुछ तो उपयुक्त करो तन को,
नर हो न निराश करो मन को।

प्रभु ने तुझको कर दान किए,
सब वांछित वस्तु विधान किए।
तुम प्राप्त करो उनको न अहो,
फिर है किसका यह दोष कहो।
समझो न अलभ्य किसी धन को,
नर हो न निराश करो मन को।

Scanned with CamScanner